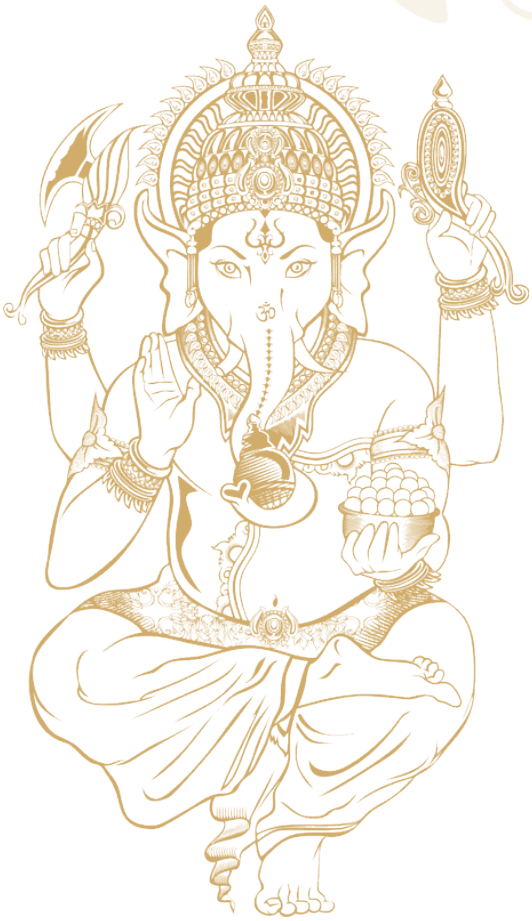

Mr. Lakshman ji parihar

Ms. Neetu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120408001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120408001 Date: 03/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/03/1996	जन्म तिथि	20/06/1997
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:50:00	जन्म समय	13:25:00 घंटे
घटी 04:51:32	जन्म समय(घटी)	19:12:47 घटी
India	देश	India
Sojat Road	स्थान	Sojat River
25:48:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
73:49:00 पूर्व	रेखांश	73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:44	स्थानिक संस्कार	-00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:53:23	सूर्योदय	05:43:57
18:38:55	सूर्यास्त	19:29:05
23:48:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:16

मेष	लग्न	कन्या
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
उ०फाल्गुनी	नक्षत्र	ज्येष्ठा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	बुध
2	चरण	4
शूल	योग	शुभ
कौलव	करण	विष्टि
टो-टोनी	जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
गौ	योनि	मृग
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मृग

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 4वर्ष 2मा 4दि		00:34:12	मेष	लग्न	कन्या	16:08:15	बुध 1वर्ष 1मा 26दि	
राहु		22:02:09	कुंभ	सूर्य	मिथु	05:12:31	सूर्य	
10/05/2017		00:42:59	कन्या	चंद्र	वृश्चि	29:05:40	16/08/2025	
11/05/2035		21:42:12	कुंभ	मंगल	कन्या	06:36:18	16/08/2031	
राहु	21/01/2020	04:01:07	कुंभ	बुध	वृष	28:30:31	सूर्य	03/12/2025
गुरु	16/06/2022	18:46:12	धनु	गुरु व	मक	27:57:01	चन्द्र	04/06/2026
शनि	22/04/2025	06:15:22	मेष	शुक्र	मिथु	25:53:59	मंगल	10/10/2026
बुध	09/11/2027	02:13:33	मीन	शनि	मीन	25:03:02	राहु	03/09/2027
केतु	27/11/2028	23:31:01	कन्या व	राहु व	सिंह	29:55:02	गुरु	22/06/2028
शुक्र	27/11/2031	23:31:01	मीन व	केतु व	कुंभ	29:55:02	शनि	04/06/2029
सूर्य	21/10/2032	09:10:52	मक	हर्ष व	मक	14:17:25	बुध	10/04/2030
चन्द्र	22/04/2034	03:09:48	मक	नेप व	मक	05:32:08	केतु	16/08/2030
मंगल	11/05/2035	09:18:36	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:43:42	शुक्र	16/08/2031

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:16

लग्न-चलित

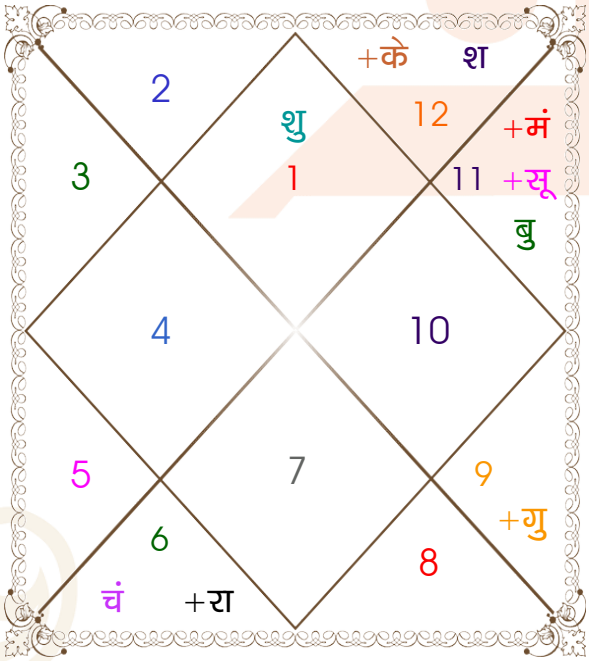

लग्न-चलित

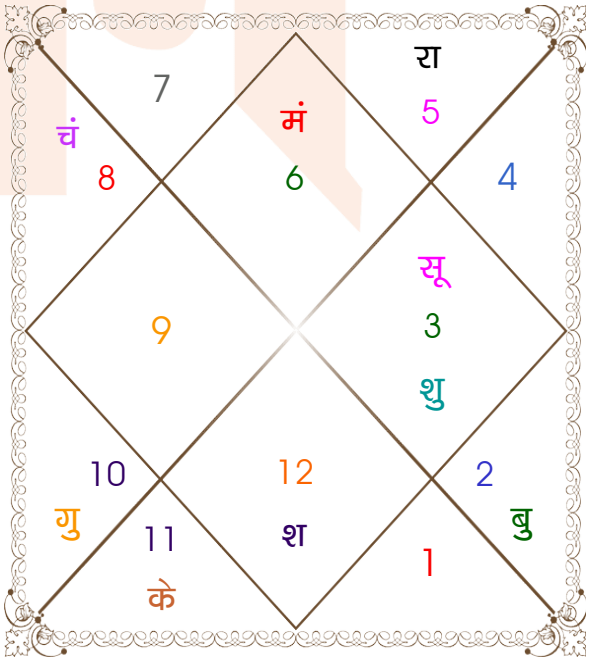

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

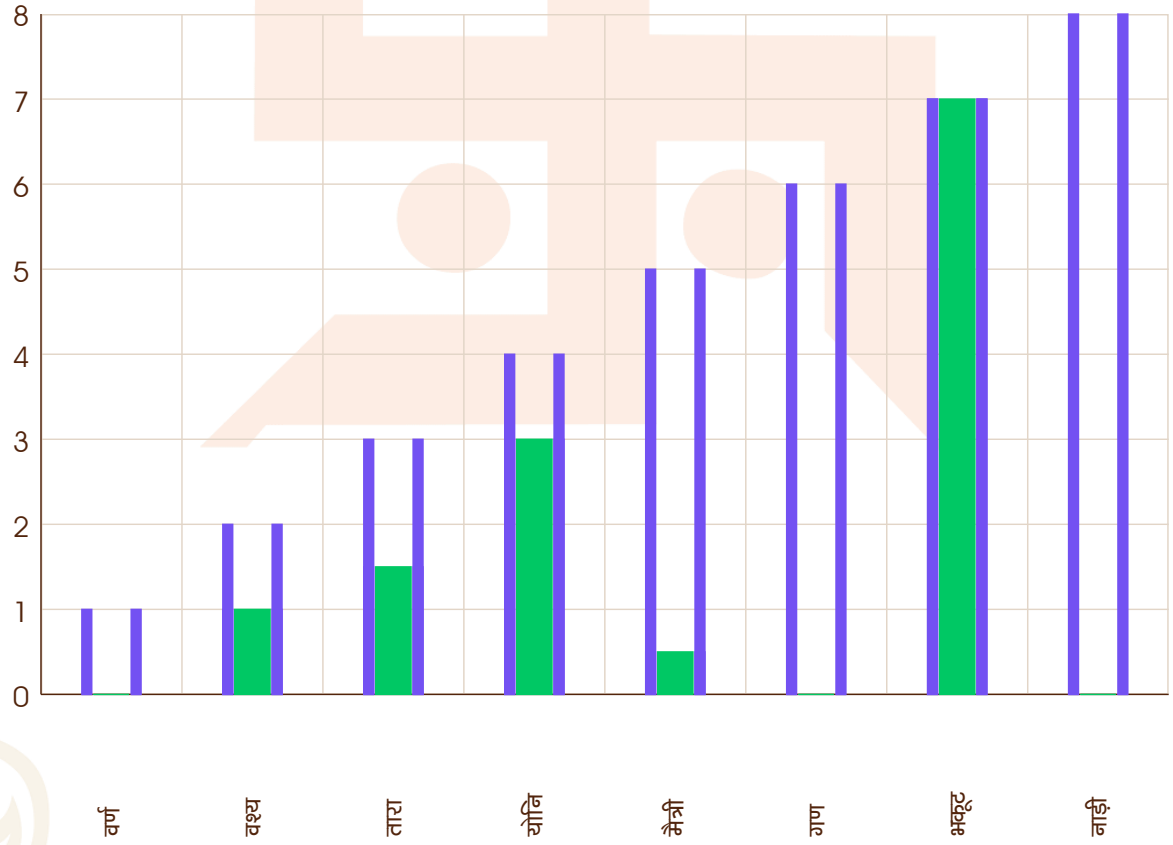

Gayatri jyotish karyalaya
Sojat Road, Rajasthan 306103, India
9799364202, 9929276521
rakeshvyas1988@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

डतण सैंउंद रप चंतपींत का वर्ग श्वान है तथा Ms. Neetu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण सैंउंद रप चंतपींत मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms. Neetu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतण सैंउंद रप चंतपींत कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण सैंउंद रप चंतपींत तथा Ms. Neetu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण सौंउंद रप चंतपींत का वर्ण वैश्य है तथा Ms. Neetu का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms. Neetu का वर्ण डतण सौंउंद रप चंतपींत के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms. Neetu अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms. Neetu को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

डतण सौंउंद रप चंतपींत का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. Neetu का वश्य कीट है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। फलस्वरूप डतण सौंउंद रप चंतपींत एवं Ms. Neetu दोनों के बीच हितों का टकराव होता रहेगा साथ ही दोनों के बीच आपसी सहयोग, समझ एवं सामंजस्य का पूर्णतः अभाव बना रहेगा। कभी-कभी दोनों एक-दूसरे के शत्रु भी बन सकते हैं जिससे प्रगति एवं समृद्धि बाधित होती है। दोनों के बीच घमासान चलता रहेगा तथा तनाव एवं संदेह का माहौल कायम हो सकता है।

तारा

डतण सौंउंद रप चंतपींत की तारा क्षेम तथा Ms. Neetu की तारा वध है। Ms. Neetu की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह डतण सौंउंद रप चंतपींत एवं Ms. Neetu दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms. Neetu अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

डतण सौंउंद रप चंतपींत की योनि गौ है तथा Ms. Neetu की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण सौंउंद रप चंतपींत का राशि स्वामी Ms. Neetu के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms. Neetu का राशि स्वामी डतण सौंउंद रप चंतपींत के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

डतण सौंउंद रप चंतपींत का गण मनुष्य तथा Ms. Neetu का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms. Neetu का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण डतण सौंउंद रप चंतपींत एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

डतण सौंउंद रप चंतपींत से Ms. Neetu की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Ms. Neetu से डतण सौंउंद रप चंतपींत की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण डतण सौंउंद रप चंतपींत अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Ms. Neetu सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

डतण सौंउंद रप चंतपींत की नाड़ी आद्य है तथा Ms. Neetu की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण सौंउंद रप चंतपींत एवं Ms. Neetu दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं

परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतए सैंउंद रप चंतपींत की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथा Ms. Neetu की राशि जल तत्व युक्त वृश्चिक राशि है। पृथ्वी एवं जल तत्व में नैसर्गिक समता होने के कारण डतए सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता रहेगी। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

डतए सैंउंद रप चंतपींत की राशि का स्वामी बुध तथा Ms. Neetu की राशि का स्वामी मंगल परस्पर शत्रु एवं समराशियों में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं होती। इसके प्रभाव से डतए सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu के परस्पर संबधों में तनाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबधों में कटुता एवं मतभेद रहेंगे। अतः यदि ये एक दूसरे की आलोचना करने या कमियों को गिनना छोड़ दें तो जीवन में सुख के क्षणों की प्राप्ति हो सकती है।

डतए सैंउंद रप चंतपींत एवं Ms. Neetu की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से इनका एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव रहेगा तथा समर्पण की भावना भी विद्यमान रहेगी जिससे आपसी संबधों में मधुरता रहेगी। अतः वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही डतए सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu की आर्थिक स्थिति में भी सुदृढ़ता रहेगी तथा जीवन में आवश्यक सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

डतए सैंउंद रप चंतपींत का वश्य मानव तथा Ms. Neetu का वश्य कीट है मानव एवं कीट के मध्य नैसर्गिक शत्रुता एवं विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी एवं शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी अंतर रहेगा। अतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतए सैंउंद रप चंतपींत का वर्ण वैश्य एवं Ms. Neetu का वर्ण ब्राह्मण है। अतः डतए सैंउंद रप चंतपींत की प्रवृति धनार्जन में प्रवृत रहेगी तथा वणिक बुद्धि से अपने समस्त कार्यो को सम्पन्न करेंगी लेकिन Ms. Neetu शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्यो में रूचिशील रहेंगी फलतः कार्य क्षमताओं में असमानता का भाव यदा कदा दृष्टि गोचर होगा।

धन

डतए सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। डतए सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Ms. Neetu एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu दोनों ही आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन्हें नाड़ी दोष से कष्ट की अनुभूति होगी। आद्य नाड़ी का विशेष प्रभाव डतण सैंउंद रप चंतपींत के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से पक्षाघात आदि से वे कष्ट प्राप्त करेंगे तथा सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से सम्पन्न होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशी में अल्पता रहेगी। साथ ही मंगल के दुष्प्रभाव से भी डतण सैंउंद रप चंतपींत को स्वास्थ्य संबधी परेशानियां रहेगी फलतः वे धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे उनकी संभोग शक्ति भी प्रभावित होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह उत्पन्न होगा एवं परस्पर असन्तुष्टि का भाव रहेगा। अतः इसके अशुभ फलों को दूर करने के लिए उन्हें नित्य हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए। रहेगा। वैसे सामान्यतया ऐसी स्थिति में विवाह की उपेक्षा ही करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. Neetu के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. Neetu को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. Neetu को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण सैंउंद रप चंतपींत और Ms. Neetu का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Neetu के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms. Neetu अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms. Neetu पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. Neetu अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

डतण सैंउंद रप चंतपींत के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को डतण सैंउंद रप चंतपींत अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी डतण सैंउंद रप चंतपींत के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण डतण सैंउंद रप चंतपींत के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।